आपरेशन सिंदूर

नीदरलैंड, जर्मनी व डेनमार्क को जानकारी देंगे जयशंकर

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 18 मई।

विदेश मंत्री एस जयशंकर सोमवार को नीदरलैंड, डेनमार्क और जर्मनी की छह दिवसीय यात्रा पर रवाना होंगे। इन देशों के अपने समकक्षों को वे पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद 'आपरेशन सिंदूर' शुरू करने संबंधी भारत के फैसले से अवगत कराएंगे। साथ ही वह सीमा पार आतंकवाद को पाकिस्तान के निरंतर समर्थन के मुद्दे को उठा सकते हैं। भारतीय और पाकिस्तानी सशस्त्र बलों के बीच चार दिन तक चली सैन्य झड़प के बाद जयशंकर की यह पहली विदेश यात्रा होगी। विदेश मंत्रालय ने रविवार को कहा, 'विदेश मंत्री एस जयशंकर 19 से 24 मई तक नीदरलैंड, डेनमार्क और जर्मनी की आधिकारिक यात्रा पर जाएंगे।'

विदेश मंत्रालय ने कहा कि जयशंकर तीनों देशों के नेतृत्व से मिलेंगे और अपने समकक्षों के साथ द्विपक्षीय संबंधों तथा आपसी हित के क्षेत्रीय और वैश्विक मामलों पर चर्चा करेंगे। उम्मीद है कि जयशंकर तीनों देशों के अपने समकक्षों को पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद 'आपरेशन सिंदूर' शुरू करने संबंधी भारत के फैसले से भी अवगत कराएंगे। 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत भारत ने सात मई की सुबह पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में नौ आतंकवादी ढांचों को नष्ट कर दिया था। भारत की कार्रवाई के बाद पाकिस्तान ने 8, 9 और 10 मई को भारतीय सैन्य ठिकानों पर हमला करने का प्रयास किया। चार दिन के टकराव के बाद 10 मई को दोनों पक्षों के बीच संघर्ष रोके जाने पर सहमति बनी थी।

इससे पहले 'आपरेशन सिंदूर' की पृष्ठभूमि में भारत ने आतंकवाद के खिलाफ कड़ा संदेश देने के लिए प्रमुख साझेदार देशों में सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल भेजने का फैसला किया, जिसके लिए सात दल बनाए गए हैं। इनमें तीन का नेतृत्व विपक्षी दलों के नेता शशि थरूर, सुप्रिया सुले और कनिमोई करेंगे।

भारत की नकल करते हुए बिलावल भुट्टो के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल विदेश भेजेगा पाकिस्तान पेज 12